Hr – लूका १५ के दृष्टांत | 1

– Save This Page as a PDF–

लूका १५ के दृष्टांत



अभी भी पेरिया में, जब यीशु सिय्योन में अपनी
मृत्यु से पहले सेवा करने के लिए जॉर्डन के पार वापस गए, तो उनके मंत्रालय के इस अंतिम चरण में येशुआ द्वारा पापियों के स्वागत पर फरीसियों की बड़बड़ाहट ने स्पष्ट रूप से दिखाया कि वे सच्चाई से कितनी दूर भटक गए थे। मसीहा ने उत्तर में जो तीन दृष्टांत बताए, वे चतुराई से उनके दिलों की दुष्ट अनुचितता को प्रदर्शित करने और सभी के देखने के लिए उनके पाखंड को एक बार फिर प्रकाश में लाने के लिए डिज़ाइन किए गए थे।

इस अध्याय के सभी तीन दृष्टांत पश्चाताप करने वाले पापी के लिए भगवान के प्रेम से संबंधित हैं। पहले दो दृष्टांत, खोए हुए सिक्के का दृष्टांत (Hh) और खोई हुई भेड़ का दृष्टांत (Ht), संक्षिप्त और सरल हैं। दोनों दृष्टांत खोई हुई चीज़ को खोजने के बारे में हैं। दोनों दिखाते हैं कि लोग अपनी खोई हुई क़ीमती चीज़ों को खोजने के लिए किस हद तक जा सकते हैं। और दोनों दृष्टांतों का केंद्रीय पाठ उस प्राकृतिक आनंद के बारे में है जो खोई हुई चीज़ को पाकर हम सभी अनुभव करते हैं। बेशक, मुद्दा यह दिखाना था कि फरीसियों और टोरा-शिक्षकों की यीशु के प्रति नाराजगी असामान्य थी – भ्रष्ट, विकृत और दुष्ट। उनके विरुद्ध सार्वजनिक रूप से क्रोध का प्रदर्शन इस बात का निर्विवाद प्रमाण था कि उनके अपने हृदय निराशाजनक रूप से अनैतिक थे, और उन्हें कोई अंदाज़ा नहीं था कि एडोनाई किस बात से प्रसन्न थे।

लेकिन यह तीसरा दृष्टांत था, खोए हुए बेटे और उसके ईर्ष्यालु भाई का दृष्टांत (Hu), जिसने सबसे अधिक ताकत से प्रहार किया। पिछले दो दृष्टांतों में पश्चाताप करने वाले पापियों पर स्वर्ग में अत्यधिक खुशी का चित्रण किया गया था। उड़ाऊ पुत्र की कहानी भी उस स्वर्गीय आनंद को दर्शाती है – लेकिन फिर इसे बड़े भाई

Hr – लूका १५ के दृष्टांत | 2

द्वारा अपने भाई की वापसी और उसके पिता की खुशी पर नाराजगी जताने की पृष्ठभूमि में सेट करती है। गलील का रब्बी संभवतः अब तक लिखी गई सबसे महान लघु कहानी के साथ उस सारी कुरूपता को उजागर करता है।

एफ की कुंजी में एक कहानी दृष्टांत: पैर ढीले और डरपोक महसूस करते हुए, एक पंख वाले दिमाग वाले व्यक्ति ने अपने शौकीन पिता को किराए पर लेने के लिए मजबूर किया और विदेशी क्षेत्रों में उड़ गया और अपने भाग्य को बर्बाद कर दिया, और अविश्वासी दोस्तों के साथ शानदार दावतें कीं।

अपने साथियों द्वारा मूर्खतापूर्ण तरीके से भागे जाने के बाद, उसने खुद को एक गंदे खेत के मैदान में चारा-माता पाया। काफी हद तक भूखा रहने के कारण, उसने अपने शरीर को चारे के टुकड़ों से बने भोजन से भर लिया होगा।

दुर्भाग्य का सामना करते हुए वह बेहोश हो गया, “फ़ूई! मेरे पिता की चापलूसी कहीं बेहतर है,” परेशान भगोड़े को आखिरकार तथ्यों का सामना करना पड़ा। असफलता से निराश होकर, पूर्वाभास से भरकर, वह तुरंत अपने परिवार के पास भाग गया। अपने पिता के पैरों पर गिरकर, वह उदास होकर बोला, “पिताजी, मैंने गलती की है और व्यर्थ ही परिवार का उपकार खो दिया है।”

दूरदर्शी पिता ने, आगे बढ़ने से रोका, झुण्ड में से एक मोटा बच्चा लाने और दावत का आयोजन करने के लिए व्याकुलतापूर्वक गुंडों को इशारा किया।

भगोड़े के दोष ढूँढ़ने वाले भाई ने फ़ोल्डरोल पर भौंहें चढ़ा दीं। लेकिन वफादार पिता ने सोचा, “पुत्रवधू निष्ठा ठीक है, लेकिन भगोड़ा मिल जाता है!” उत्साहपूर्ण उत्सव को क्या मना करता है? झंडे फहराए जाएं. धूम-धड़ाका होने दो।”

और पिता की क्षमा ने पूर्व भगोड़े के भविष्य की दृढ़ता की नींव बनाई।

यीशु तीनों दृष्टांतों को इस तरह संक्षेप में प्रस्तुत कर सकते थे, “आप फरीसी और टोरा-शिक्षक इस बात से क्यों परेशान हैं कि मेरा मंत्रालय समाज के बहिष्कृत लोगों को मुक्ति दिलाता है? आप इस बात से खुश क्यों नहीं होते कि खोई हुई भेड़/सिक्का/बेटा मिल रहा है?”